नव भारत जागृति केन्द्र
NAV BHARAT JAGRITI KENDRA

NBJK SINCE 1971

Putting the Last First.....

सूचनापत्र — Newsletter

अप्रैल–जून 2019 www.nbjk.org April-June 2019

सम्भव : किशोर–किशोरी सशक्तिकरण कार्यक्रम

संभव कार्यक्रम की शुरुआत दिसम्बर 2016 में प्लान इंडिया–दिल्ली और यूनिसेफ–झारखण्ड के सहयोग से हुई थी और इसे झारखण्ड के पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत बोराम, पटमदा, ढालभूमगढ़, चाकुलिया, बहरागोरा और गुराबान्धा प्रखंडों के 942 गांवों में नव भारत जागृति केन्द्र द्वारा संचालित किया जा रहा है. कार्यक्रम का उद्देश्य बाल विवाह पर नियंत्रण, उच्च विद्यालयी शिक्षा का विस्तार और किशोरी गर्भाधान की दर को न्यूनतम करना है. इसके तहत लक्षित गांवों में किशोर–किशोरी समूहों का गठन किया गया है, जिनकी कुल सदस्य संख्या 22643 (लड़के–8223, लड़कियां–14420) है, लेकिन 490 गांवों पर विशेष फोकस है. वहां किशोर–किशोरी समूह ज्यादा सक्रिय हैं, जिनकी कुल सदस्य संख्या 13800 है. इन्हें गहन जीवन कौशल सत्रों से होकर गुजरना पड़ता है. वर्ष 2018–19 में 1532 किशोरों और 1677 किशोरियों (कुल–3209) ने जीवन कौशल प्रशिक्षण में हिस्सा लिया और 1878 (लड़के–938, लड़कियां–940) किशोर–किशोरियों को पिअर एडुकेटर के रूप में विकसित किया गया. ऐसे प्रत्येक गांव से 2 पिअर एडुकेटरों को तीन माह पर आयोजित रिफ्रेशर प्रशिक्षण से भी गुजरना पड़ता है, जबकि अन्य गांवों के पिअर एडुकेटरों के लिए छह माह पर ऐसे प्रशिक्षण का आयोजन किया जाता है. इन रिफ्रेशर प्रशिक्षणों में कुल 1884 किशोर–किशोरियों की सहभागिता रही है.

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी सक्रिय किशोर–किशोरी समूहों के क्रिया–कलापों से संपर्क बना रहता है और ग्राम स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों के क्षमता वर्धन सम्बन्धी गतिविधियों का आयोजन होता है. बाल विवाह के मुद्दे पर 3 प्रखंडों के 100 गांवों में बाल सुरक्षा समितियों के 600 प्रतिभागियों की क्षमता वृद्धि सम्बन्धी प्रयास हुए हैं. 6 प्रखंडों के 1582 पिअर एडुकेटरों (लड़के–872, लड़कियां–710) के लिए रिव्यु–रिफ्रेशर प्रशिक्षण और पंचायत स्तर पर किशोर–किशोरी समूहों के 21295 (लड़के–9796, लड़कियां–11499) प्रतिभागियों हेतु परिचय–समीक्षा बैठकों से कार्यक्रम के उद्देश्यों पर एक आम समझ बनी है. बीते वर्ष के दौरान प्रशिक्षित पिअर एडुकेटरों द्वारा मासिक और 15 दिनों पर आयोजित किये जाने वाले जीवन कौशल प्रशिक्षण सत्रों में किशोर–किशोरी समूहों के 20756 सदस्यों (लड़के–9376, लड़कियां–11380) ने भाग लिया और अपनी समस्याओं को सुलझाने की पहल किया है. **संभव** कार्यक्रम के तहत प्रखंड स्तरीय सामुदायिक सम्मेलन, पंचायत स्तर पर अभिभावकों और किशोर–किशोरी समूहों के बीच इंटरफेस बैठक, बाल विवाह निषेध हेतु विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्यों का उन्मुखीकरण, प्रखंड स्तर पर बाल सुरक्षा समितियों का गठन और उन्हें मजबूत बनाने जैसी गतिविधियों से किशोर–किशोरी सशक्तिकरण की दिशा में मदद मिली है.

इसी प्रकार 11127 (लड़के–5653, लड़कियां–5474) किशोर–किशोरियों के बीच आइएफए गोलियों का वितरण हुआ है और 4065 किशोरियों को सेनेटरी नैपकिन्स मिले हैं. ग्राम स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों के साथ संयोजन हेतु विद्यालय प्रबंधन समितियों के 803 सदस्यों के साथ बैठक हुई और बाल संसद के 10504 किशोर–किशोरियों को उनकी भूमिका व जिम्मेवारी से अवगत कराया गया है. किशोर–किशोरी समूहों के 464 (किशोर–176, किशोरी–288) सदस्यों को किशोरध्किशोरी मित्रवत स्वास्थ्य केन्द्रों में काउन्सेलिंग, इलाज और दवाइयों की सुविधा मिली है. 3 प्रखंडों में 124 विवाहित किशोर–किशोरी जोड़ियों की पहचान कर उनकी सूची बनाई गयी है, कम उम्र में गर्भाधान के नुकसानों से उन्हें अवगत कराया गया है और उनमें भावी बाल विवाहों के विरोध की मानसिकता बनी है.

गांवों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर ग्राम बाल सुरक्षा समितियों की मजबूती पर **संभव** कार्यक्रम गंभीर है, नियमित बैठकों और नजदीकी सहयोग द्वारा उनकी क्षमता वृद्धि के प्रयास जारी हैं. सभी 6 प्रखंडों में आयोजित इस प्रकार की मासिक बैठकों में पिछले साल कुल 10618 ग्रामीण (पुरुष–4332, महिला–6286) शामिल थे. इसके अलावा स्वयं–सहायता समूहों के 8903 सदस्यों (पुरुष–246, महिला–8657) और 3157 अभिभावकों (पिता–1333, माता–1824) को बाल अधिकारों पर संवेदीकृत किया गया है. कार्यक्रम से जुड़े कार्यकर्ताओं / सरकारी सेवकों को भी बाल अधिकार, सशक्त किशोरावस्था और सम्बन्धित सरकारी योजनाओं पर प्रशिक्षण दिया जाता है और पंचायत स्तर पर बाल–अधिकार सप्ताह आयोजित हुए हैं. इन सबसे बच्चों के हित में गांवों तक एक मजबूत सन्देश गया है, कार्यक्रम से जुड़े गांवों में स्थानीय नेतृत्व उभर रहा है और ऐसी ही एक युवा नेता सुश्री परी सिंह (पटमदा निवासी) को मशहूर अदाकारा श्रीमती शबाना आजमी के हाथों पिछले वर्ष दिल्ली में प्लान इम्पैक्ट अवार्ड से नवाज़ा गया.

SAMBHAV-Adolescent Empowerment Program

SAMBHAV, the program was initiated by NBJK in December 2016 with support of Plan India-Delhi and UNICEF-Jharkhand to empower adolescents at 942 villages of Boram, Patamda, Dhalbhumgarh, Chakulia, Behragora and Gurabandha blocks of East Singhbhum district, Jharkhand. This aims to reduce child marriage, to enhance secondary education and to minimize teenage pregnancy.

There are adolescent groups in the operational villages with 22643 members (boys-8223, girls-14420) but 490 villages are under special focus where adolescent groups are more active with 13800 members. They go through intensive life skills sessions. During the year 2018-19, 3209 adolescents (boys-1532, girls-1677) have participated in life skills training and 1878 (boys-938, girls-940) have emerged as peer educators. From each focused village, 02 peer educators had opportunity to join refresher training quarterly and in remaining villages it was organized on half-yearly basis. Total 1884 adolescents have participated in these refreshers training.

The program tracks functioning of all active adolescent groups and organizes capacity building exercises for Village Child Protection Committees on child protection with special reference to child marriage with 600 participants from 100 villages in 3 blocks. Also this organized review-cum-refresher training for 1582 (boys-872, girls-710) peer educators in 06 target blocks. At panchayat level, adolescent groups participates in introduction-cum-review meetings and total 21295 (boys-9796, girls-11499) participants turned up in these meetings. Trained peer educators organize monthly & fortnightly life skills sessions for groups and enabled 20756 (boys-9376, girls-11380) adolescents to manage their problems.

There are activities like block level community conference, panchayat level interface meeting between adolescent groups & parents, orientation of School Management Committees' (SMCs) members to negate child marriage and formation/capacity building of block level child protection committees to provide an edge to the program.

Likewise IFA tablets distributed among 11127 (boys-5653, girls-5474) adolescents and 4065 girls received sanitary napkins. For coordination with Village Child Protection Committees (VCPCs), meetings held with 803 SMCs members and 10504 adolescents of Baal Sansads have been introduced about their role & responsibility. 464 adolescents (boys-176, girls-288) referred to AFHCs (Adolescent Friendly Health Centers) for counseling, treatment & medicines. In 03 blocks, married adolescent girls & boys have been enlisted as 124 couples and oriented to avoid teenage pregnancy and any further child marriage.

To strengthen VCPCs, regular capacity building & hand holding support was provided in all 06 blocks during monthly meetings with 10618 member participants (men-4332, women-6286). Besides this, 8903 members (men-246, women-8657) of SHGs and 3157 parents (fathers-1333, mothers-1824) have been sensitized upon child rights with thematic training to program staffs and frontline govt. staffs on relevant govt. schemes. With child rights week celebration at panchayat level, the message reached up to villages and the program has facilitated young community leaders like Miss Pari Singh (a resident of Patamda block) who was conferred Plan India Impact Award by noted actress Mrs. Shabana Azmi at Delhi last year.

100 मोतियाबिन्द ऑपरेशनों में मुकुल माधव फाउंडेशन का सहयोग

17–20 अप्रैल 2019, बहेरा (चौपारण, हजारीबाग): एनबीजेके संचालित लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल की ओर से गया जिला (बिहार) के ग्रामीण क्षेत्रों में मोतियाबिन्द मरीजों की पहचान और उनका ऑपरेशन सुनिश्चित करने के लिए अभियान चलाया गया. इसके तहत कुरकिहरा, आमस, निम्बुआ और सिंघतिया गाँवों में नेत्र जांच शिविर आयोजित किये गए और मरीजों की मोतियाबिन्द सर्जरी हेतु अस्पताल आवागमन की व्यवस्था थी. इन चार दिनों में 100 मोतियाबिन्द मरीजों की पहचान कर सर्जरी हेतु उन्हें अस्पताल भेजा गया. इन सभी मरीजों का ऑपरेशन सफल रहा और पूरे अभियान को फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज के सीएसआर भागीदार मुकुल माधव फाउंडेशन का सहयोग मिला. इस अवसर पर श्री विजय कुमार (वरीय विक्रय कार्यकारी, फिनोलेक्स) और श्री करुणानिधि (सहायक प्रबंधक, एलएनजेपीइएच) ने मरीजों से मिलकर उन्हें जरूरी दवाइयां उपलब्ध करवायी. विदित हो कि गत 15 वर्षों में लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल की बहेरा और दुमका इकाइयों द्वारा झारखण्ड–बिहार में 14 जिलों के 6 लाख से अधिक नेत्र रोगियों का इलाज और 01 लाख से ज्यादा मोतियाबिन्द ऑपरेशन को अंजाम दिया गया है.

Mukul Madhav Foundation Supports for 100 Cataract Surgeries

17 – 20 April 2019, Bahera (Chouparan, Hazaribag): NBJK run LokNayak JayPrakash Eye Hospital launched a campaign in villages of Gaya district to identify cataract patients and ensured their eye surgery. LNJPEH organized eye screening camps at Kurkihara, Aamas, Nimbua and Singhatiya villages of the district as well as arranged transportation of the patients from their place to the hospital and vice versa. During the period of 4 days only, 100 cataract suffering people were found and sent to the base hospital for surgery. All the patients met successful cataract surgery and the campaign was supported by Mukul Madhav Foundation, the CSR partner of Finolex Industries. MMF sponsored 100 cataract patients for their eye surgery. Mr. Vijay Kumar (Sr. Sales Executive, Finolex) and Mr. Karunanidhi (Asst. Manager, LNJPEH) have met the patients and provided them medicines. It's noteworthy that during last 15 years, Bahera & Dumka units of LokNayak JayPrakash Eye Hospital have attended more than 6 lakhs patients and restored sight to 01 lakh plus cataract suffering people from 14 districts of Jharkhand & Bihar.

एनबीजेके अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश को एशिया फिलैन्थ्रोपिक लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

24 अप्रैल 2019, सियोल (द.कोरिया): नव भारत जागृति केन्द्र के संस्थापक, अध्यक्ष और गैरराजनीतिक जनसंगठन लोक समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश को दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में एशिया फिलैन्थ्रोपिक लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया. इस अवसर पर इन्होंने एपीए कमिटी के प्रति आभार व्यक्त किया. विदित हो कि लोकोपकारी कार्यों में श्री गिरिजा सतीश के योगदान, नवाचार, दायित्व, विस्तार और स्थायित्व के आधार पर यह पुरस्कार इन्हें मिला है. एनबीजेके के माध्यम से झारखण्ड–बिहार में शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, छोटी संस्थाओं को मदद और जनवकालत–नेटवर्किंग–गवर्नेंस सम्बन्धी कार्यों द्वारा इन्होंने 10 लाख से अधिक लोगों के जीवन को बेहतर बनाया है. विद्यालयों, शिक्षण केन्द्रों और अन्य कार्यक्रमों में 66 हजार से अधिक बच्चों का जुड़ाव, स्वमदद समूहों में 17 हजार से अधिक महिलाएं, 30 हजार से अधिक युवाओं का कौशल विकास प्रशिक्षण, 2000 से अधिक जल संरक्षण इकाइयाँ, 2500 आदिवासी परिवारों की आय वृद्धि जैसे कार्यक्रमों से शिक्षा और आजीविका के क्षेत्र में काफी काम हुआ है. एलएनजेपी आँख अस्पताल द्वारा 6 लाख से अधिक नेत्र रोगियों का इलाज, 1 लाख से ज्यादा मोतियाबिन्द सर्जरी और विशेष कार्यक्रमों द्वारा 20 हजार से ज्यादा विकलांगों के पुनर्वास, 50 हजार से अधिक घरों के लिए ठोस कचड़ा प्रबंधन, 5 हजार स्लम वासियों हेतु स्वच्छता पहल और 300 से अधिक स्वैच्छिक संस्थाओं को प्रोत्साहन जैसी उपलब्धियों के साथ इनका सार्वजनिक जीवन अनुकरणीय है. श्री गिरिजा सतीश के नेतृत्व में लोक समिति ने सामाजिक बुराइयों का विरोध करते हुए जमीनी लोकतन्त्र के लिए काफी काम किया है.

Asia Philanthropic Life Achievement Award for Mr. Girija Satish

24 April 2019, Seoul (S.Korea): Mr. Girija Satish, founder member & president of NBJK and national president of Lok Samiti, was conferred Asia Philanthropic Lifetime Achievement Award at Seoul in South Korea. He was honoured with the award during an impressive ceremony and made India proud. On this occasion, Mr. Girija Satish expressed sincere gratitude towards APA committee which recognized his works through NBJK & Lok Samiti. It's significant that APA Lifetime Achievement Award was offered to Mr. Girija Satish as he stood upon the criteria of contributionability, innovation, reliability and sustainability of his philanthropic works upon Education, Health, Livelihood, Support to small VOs and Advocacy-networking-governance towards better lives for more than a million people of Jharkhand-Bihar. There are more than 66 thousand children associated with NBJK run schools, education centers, orphanage & other programs. More than 17 thousand women with SHGs, skill dev. training for 30 thousand plus youths, creation of more than 2000 water bodies and income enhancement for 2500 tribal farmer families have ensured mass livelihood. Likewise more than 5 lakhs OPD & 1 lakh cataract surgeries by LNJP eye hospital, rehabilitation of 20 thousand plus PwDs including solid waste management (50000 HHs), sanitation for slum dwellers (about 5000 people) and promotion of 300 plus VOs are some milestones through his philanthropic journey. Also he enabled Lok Samiti to fight against social evils and to work for grass root democracy.

स्किल फॉर लाइफ प्रशिक्षुओं को प्रमाणपत्र और नियोजन

18 मई 2019, अमृत नगर(हजारीबाग): स्वदेश फाउंडेशन, मुंबई के सहयोग से नव भारत जागृति केन्द्र संचालित एचएसबीसी स्किल फॉर लाइफ परियोजना अंतर्गत बेसिक कंप्यूटर एप्लीकेशन, जनरल ड्यूटी असिस्टेंट और मोबाइल रिपेयर ट्रेड्स में दो माह का आवासीय प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को एनबीजेके कोषाध्यक्ष प्रभुनाथ शर्मा द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किया गया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सीमित अवधि के इन पाठ्यक्रमों से युवाओं को आजीविका हेतु अपनी अभिरुचि के क्षेत्र में प्रवेश करना आसान हो जाता है और नियोजन के बाद मिलने वाले कार्यानुभव से इनकी क्षमता भी बढ़ती है. इसके पहले लगभग सभी प्रशिक्षणार्थियों ने स्किल फॉर लाइफ प्रशिक्षण से सम्बन्धित अपने अनुभवों को साझा किया और एक अच्छी अनुशासित व्यवस्था के लिए संस्था को धन्यवाद दिया. प्रमाणपत्र वितरण समारोह में कार्यक्रम से जुड़े प्रशिक्षकगण अनुराग कुमार (कंप्यूटर), सुनीता कुमारी (जनरल ड्यूटी असिस्टेंट), रोहित राज और सुबोध कुमार (मोबाइल) मौजूद थे. विदित हो कि इस बैच में बीसीए के कुल 20 प्रशिक्षुओं में 5, जीडीए के 30 में 25 और मोबाइल सर्विसिंग के 12 में 5 का नियोजन प्रशिक्षण समाप्ति से पहले ही निश्चित हो चुका था. श्री शर्मा ने जानकारी दिया कि कुल 62 प्रशिक्षणार्थियों में 35 का नियोजन होने के बाद बचे हुए 27 युवाओं को भी शीघ्र रोजगार से जोड़ा जाएगा.

Certificate & Placement for Skill for Life Trainees

18 May 2019, Amrit Nagar (Hazaribag): The youth trainees of HSBC Skill for Life program by NBJK with support of Swades Foundation, Mumbai received course completion certificates in the trades like Basic Computer Application (BCA), General Duty Assistant (GDA) and Mobile Repair. On this occasion, Mr. Prabhu Nath Sharma (Treasurer-NBJK) offered certificates to trainees and appealed to utilize their placement opportunity for skill improvement. Before this, almost all the trainees including Umesh Yadav, Babiya Kumari, Vikas kumar, Lakshmi, Khushboo, Gita, Nakul, Dheeraj, Ajay have shared their experiences of the training and thanked NBJK for a disciplined system under the program of HSBC Skill for Life. All the faculties like Mr. Anurag Kumar (BCA), Mrs. Sunita Kumari (GDA), Mr. Rohit Raj & Mr. Subodh Kumar (Mobile Repair) were present during Certificate Distribution Ceremony. Its noteworthy that 05 out of 20 trainees of BCA, 25 out of 30 trainees of GDA and 05 out of 12 trainees of Mobile Repair in this batch (March-May'19) have got placement already. Mr. Prabhu Nath Sharma has briefed that 35 pass outs among total 62 trainees have been placed already and remaining 27 youths will get placement soon.

सर्वधर्म समभाव परिचर्चा और दावत-ए-इफ्तार

30 मई 2019, अमृतनगर (हजारीबाग): हजारीबाग जिला लोक समिति और नव भारत जागृति केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में सर्वधर्म समभाव पर परिचर्चा और इफ्तार की दावत आयोजित किये गए. परिचर्चा की शुरुआत करते हुए एनबीजेके और लोक समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश ने रोज़ेदार मुसलमान भाइयों का इस्तक़बाल किया और कहा कि सर्वधर्म समभाव एक प्रासंगिक विचार है. इन्होंने कहा कि अधिकांश लोग प्रेम, सेवा, सहायता और सम्मान करने के पक्ष में हैं और धार्मिक भेदभाव को दूर करने के प्रयासों को समर्थन देते हैं. श्री शमशेर आलम ने कहा कि हमारी पहचान कर्मों से होती है, मो० मोअज्जम का विचार था कि हर धर्म का उद्देश्य सत्य की प्राप्ति है और मो० खालिद ने उपवास या रोजा को समानार्थक बताया. श्री अर्जुन यादव ने धार्मिक विवादों के खिलाफ सामाजिक एकता पर बल दिया और मो० इस्लाम खान ने कहा कि सभी पंथों में त्याग को महत्वपूर्ण माना गया है. परिचर्चा को संबोधित करते हुए सर्वश्री स्वरुप चंद जैन, अवधेश पांडेय, डॉ० विश्वनाथ आजाद, भगवान सिंह, श्रीमती उषा बहन आदि ने विभिन्न धार्मिक पंथों को प्रेम फैलाने का माध्यम बतलाया. धन्यवाद ज्ञापन एनबीजेके के मन्त्री श्री सतीश गिरिजा ने किया. परिचर्चा के बाद आयोजित दावत–ए–इफ़्तार में अमृतनगर और निकटवर्ती गाँवों के लगभग 250 महिला–पुरुष और बच्चे शामिल हुए.

Symposium on Respect to All Religions and Dawat-e-Iftar

30 May 2019, AmritNagar (Hazaribag): A symposium on Respect to All Religions and Dawat-e-Iftar were organized under joint auspices of Hazaribag District Lok Samiti and NBJK. This was attended by prominent people and Mr. Girija Satish (President, NBJK & National Lok Samiti) introduced the program. He welcomed the people, particularly from Muslim community who observe daily fast during pious month of Ramzan. He said that respect for all religions is a relevant idea as divisive forces are active in the name of religion. Most of the people are in favour of love, service, help & respect for others and they want to get rid of religious discrimination, he pointed out. Mr. Shamsher Alam opined that our act decides our identity, Md. Moazzam requested to derive truth, Md. Khalid discussed on resemblance between Roza & Upwas while Mr. Arjun Yadav insisted for social harmony. God is one, paths are different and they all value renunciation, Mr. Islam Khan explained. Also Mr. Swaroop Chand Jain, Mr. Awdhesh Pandey, Dr. Vishwanath Azad, Mr. Bhagwan Singh and Mrs. Usha Bahen termed different faiths as tools to disseminate love for all. Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) delivered vote of thanks at the end. The symposium was followed by Dawat-e-Iftaar and about 250 men, women & children from nearby villages participated in this collective dine.

बाल अधिकार सुरक्षा पर मीडिया कार्यशाला

08 जून 2019, हजारीबाग: प्लान इंटरनेशनल के सहयोग से एनबीजेके संचालित बाल केन्द्रित समुदाय विकास कार्यक्रम अंतर्गत बाल अधिकारों और उनकी सुरक्षा पर जिला स्तरीय मीडिया कार्यशाला का आयोजन हुआ. कार्यक्रम प्रबंधक श्री रंजन कुमार की ओर से स्वागतोपरान्त बतौर संसाधन व्यक्ति श्री त्रिभुवन शर्मा ने विषय वस्तु पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाल अधिकारों की सुरक्षा के मसले पर आज मीडिया की भूमिका काफी महत्वपूर्ण हो गयी है और जुवेनाइल जस्टिस एक्ट, पोक्सो जैसे कानूनों की समझ जरूरी है. श्री शर्मा ने ऐसे बाल समूहों की जानकारी दिया जो आसानी से अत्याचार के शिकार बन जाते हैं और उनके अधिकारों का हनन होता है. उन्होंने पत्रकारों से अनुरोध किया कि बच्चों की गरिमा और निजता का ध्यान रखें. कार्यशाला में विशेष आमन्त्रित श्री संजय कुमार (जि०बा०सं०पदा०) ने कहा कि हजारीबाग जिला में बाल संरक्षण इकाई कार्यरत है और जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड, बाल कल्याण समिति, बालक–बालिकाओं हेतु अलग–अलग आश्रय स्थलों के प्रावधान हैं. उन्होंने बाल अधिकारों की सुरक्षा के मद्देनजर सहयोग का आश्वासन दिया और मीडिया के साथ सिविल सोसाइटी की पहल को महत्वपूर्ण माना. कार्यशाला में प्रिन्ट–इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े लगभग दो दर्जन से अधिक पत्रकारों ने भाग लिया.

Media Workshop on Child Rights Protection

08 June 2019, Hazaribag: A district level media workshop was held under the program of Child Centered Community Development with support of Plan India. After introduction and welcome address by Mr. Ranjan Kumar (PM, CCCD), the very theme of Child Rights and their realization was discussed by Mr. Tribhuwan Sharma (Resource Person). He said that media is quite important to protect child rights and we should be aware of the relevant laws like JJA, POCSO & others in the context of children's rights of survival, development, protection and participation. Mr. Sharma explained about vulnerable groups of children those become victim of any atrocity easily and requested media people to consider about privacy and dignity of the child. As a special invitee in the workshop, Mr. Sanjay Kumar (DCPO, Hazaribag) informed about fully functional Child Protection Unit in the district with bodies like CWC, JJB and separate shelter homes for boys & girls. He assured for all support to protect child rights and appreciated the initiative by civil society with media for a noble cause. More than two dozen journalists from print-electronic media have participated in the workshop.

विश्व पर्यावरण पखवाड़ा सम्मेलन आयोजित

10 जून 2019, कोडरमा : एचडीएफसी बैंक के सहयोग से एनबीजेके संचालित एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तत्वावधान में आयोजित विश्व पर्यावरण पखवाड़ा सम्मेलन का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि श्री आलोक त्रिवेदी (डीडीसी–कोडरमा) ने किया. उन्होंने पर्यावरण सुरक्षा पर संस्था के काम को सराहनीय बताया, जलवायु परिवर्तन को संवेदनशील विषय मानते हुए सामूहिक दायित्व पर बल दिया और भावी पीढ़ियों की सुरक्षा हेतु पर्यावरण को समग्रता में देखने की अपील किया. डीआरडीए निदेशक श्री अनुज कुमार ने कहा कि प्रदूषण की खतरनाक स्थिति को बदलने के लिए वृक्षारोपण एक बेहतर उपाय है. इसके पहले एनबीजेके अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश ने संस्था द्वारा जिला के 15 गाँवों में तालाब निर्माण, सौर ऊर्जा संचालित जल मीनार, सोलर स्ट्रीट लैंप–होम लाइट, ड्रिप सिंचाई, महिला स्वमदद समूह गठन और वृक्षारोपण जैसी गतिविधियों से पर्यावरण संरक्षण की जानकारी देते हुए कहा कि हम ग्रामीणों के बीच स्वास्थ्य शिविर आयोजन और स्कूली बच्चों के लिए कोचिंग केन्द्रों का संचालन करते हैं, जिसका अच्छा प्रभाव देखने को मिल रहा है. सम्मेलन के दौरान 75 ग्रामीणों को पपीते का पौधा प्रदान किया गया. सम्मेलन आयोजन में श्री पवन लाल गुप्ता (कार्यक्रम प्रबंधक), श्री कृष्णा राउत (स० कार्य० प्र०) समेत अन्य कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही.

World Environment Fortnight Convention

10 June 2019, Koderma: Under Holistic Rural Development Program with support of HDFC Bank Ltd., Mumbai, a convention of the beneficiaries was organized on occasion of World Environment fortnight. As the chief guest Mr. Alok Trivedy (DDC-Koderma) inaugurated the function and said that our environment should be seen in totality if we wish survival of our future generations. The very concern of environment needs a collective responsibility and the district administration can support a plantation campaign, he pointed out. Mr. Anuj Kumar (Director, DRDA) supported plantation as a remedy to check pollution. Earlier Mr. Girija Satish (President, NBJK) welcomed the guests and briefed about HRDP in 15 villages of Koderma district. He said that with support of HDFC Bank, NBJK constructed ponds, initiated for solar powered water towers-street lamps-home lights and innovative drip irrigation in target villages. We run remedial coaching centers for school children, promote women SHGs, plantation, organize health camps and address drinking water problem as an inclusive intervention for villages, he explained. Around 150 people participated in the convention and 75 of them got papaya plants to grow. Mr. Pawan Lal Gupta (PM-HRDP), Mr. Krishna Raut (APM-HRDP) and other staffs were present in the event.

लोक समिति का 42 वां स्थापना दिवस समारोह

30 जून 2019, पटनाः निर्दलीय जनसंगठन लोक समिति के 42 वां स्थापना दिवस पर "लोकनायक जयप्रकाश के विचारों की प्रासंगिकता एवं लोक समिति की भूमिका" विषय पर सेमिनार का आयोजन हुआ. अध्यक्षीय संबोधन में श्री गिरिजा सतीश (अध्यक्ष, राष्ट्रीय लोक समिति) ने कहा कि हमारा प्रमुख उद्देश्य सरकारी कामकाज पर जनता का नियंत्रण रखना है. उन्होंने कहा कि युवाओं हेतु आजीविका अधिकार, भूमिहीनों को जमीन, नागरिक सुविधाएं, व्यवस्थागत सुधार जातिवाद–साम्प्रदायिकता–शराब–अंधविश्वास विरोध, महिला–किसान–मजदूर सशक्तिकरण जैसे मुद्दों पर लोक समिति सक्रिय रही है और आगे हम देश में शराबबन्दी कानून और गवर्नेंस सुधार जैसे मुद्दों पर काम करेंगे. जेपी आन्दोलन के साथी श्री शिवानन्द तिवारी ने सांप्रदायिक विभाजन और गाँधी विचारों के तिरस्कार पर चिन्ता जतायी. श्री कौशल गणेश आजाद (संयोजक, रालोस) ने बिहार में चमकी बुखार और लू–गरमी से सैकड़ों बच्चों की मौत को सरकार की असफलता बताया. जेपी आन्दोलन के दूसरे साथी श्री नरेन्द्र सिंह ने कहा कि जेपी का उद्देश्य समाज सशक्तिकरण का था. इस विशेष मौके पर बिहार–झारखण्ड में लोक समिति की संगठनात्मक मजबूती के लिए श्री विजय कुमार (अध्यक्ष, बिप्रलोस) और श्री वजीर अहमद (उपाध्यक्ष, झाप्रलोस) को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया. मंच संचालन श्री शिवजी सिंह (महासचिव, बिप्रलोस) कर रहे थे और श्री सौदागर (संयोजक, बिप्रलोस) ने धन्यवाद ज्ञापन किया. कार्यक्रम में बिहार के विभिन्न जिलों से लगभग 200 लोग शामिल थे.

Lok Samiti Celebrates 42nd Foundation Day

30 June 2019, Patna: Lok Samiti's 42nd foundation day celebrated and a seminar held upon "Relevance of JP's Thoughts & Role of Lok Samiti". From the chair, Mr. Girija Satish (National President, LS) declared the objective of LS as people's control over the governance. He explained about important programs with focus upon right to work for youths, land to landless, civic facilities, promotion of inter-caste/inter-religion marriage, systemic reforms, opposing casteism-communalism-liquor-superstition and empowerment of women-farmers-laborers. In coming days Lok Samiti will advocate on the issues like a strong law for liquor prohibition across India and a comprehensive reform in governance, he stated. Mr. Shivanand Tiwary (JP movement) expressed deep concern over communal feeling and a disdainful posture against Gandhian ideology. Mr. Kaushal Ganesh Azad (National Coordinator, LS) denounced casualties of children due to encephalitis & sunstroke. Mr. Narendra Singh (JP movement) recalled about high ideology of JP and his dream of an empowered society. On this important day, Mr. Vijay Kumar (President, BSLS) and Mr. Wazeer Ahmad (Vice-president, JSLS) have been honored with shawl for their contribution to Lok Samiti. Mr. Shivji Singh (General Secretary, BSLS) anchored the seminar and vote of thanks was delivered by Mr. Saudagar (Coordinator, BSLS). Around 200 people from different districts of Bihar came to attend the program.

हरि है स्कूल में (केस स्टोरी)

झारखण्ड के पूर्वी सिंहभूम जिला में बहरागोरा प्रखंड अंतर्गत कटीना पंचायत के बदलापुर गांव में एक बच्चा हरिचरण अपनी माँ श्यामा के साथ रहता है, जो एक गरीब महिला है. जब हरि का जन्म हुआ तो उसकी माँ अविवाहित थी. माता–पुत्र का सामाजिक जीवन अभिशापित था. जब टीम संभव को इसका पता चला तो सदस्यों ने हरि और उसकी माँ से मिलना जरूरी समझा. उन्होंने हरि की माँ को समझाया कि उसे स्कूल भेजे. हरि स्कूल नहीं जाकर माँ के घरेलू कामों में मदद करता था. टीम संभव ने इस स्थिति को बदलने की ठानी. शुरुआती हिचकिचाहट के बाद हरि की माँ उसे स्कूल भेजने को तैयार हो गयी. फिर विद्यालय के प्रभारी शिक्षक, माता समिति की सदस्याओं और विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों के साथ बैठक कर हरि के स्कूल नामांकन पर चर्चा हुई. सभी लोग राजी थे कि इस बच्चे की स्कूली शिक्षा अनिवार्य रूप से होनी चाहिए. अंततः 08 सितम्बर 2018 को बदलापुर प्राथमिक विद्यालय में हरि का नामांकन हो गया. वह गांव के अन्य बच्चों के साथ स्कूल जाता है और कई तो उसके अच्छे दोस्त बन गए हैं. अब माँ–बच्चा खुश हैं और हो सकता है कि भविष्य में एक शिक्षित युवक बनकर हरि कोई बड़ा काम करे. **(व्यक्तियों और स्थानों के मूल नाम परिवर्तित हैं)**

Hari Goes to School (case story)

Hari Charan is a small boy in village-Badlapur, panchayat-Katina, block-Baharagoda, district-East Singhbhum of Jharkhand. He lives with his mother Shyama, a poor woman. The boy was born before marriage of his mother and not accepted by his biological father. Both the mother and the son are stigmatized and became victims of helplessness. When team Sambhav came to know the situation and met Shyama with her son, the team members have counseled Shyama to enroll Hari in the school. Till that time the boy never went to any school and used to assist his mother in household works. He was cursed to lead an isolated life. The program team put effort to mainstream Hari and his mother became ready to send him to school. Another meeting was organized with the teacher-in-charge, members of mata samiti-School Management Committee over the issue of Hari. They became ready for his school admission and Hari was enrolled in Badlapur Primary School on 08 September 2018. Now he is pursuing his education like other children of the village. Hari is happy with his mother and may bring some changes as an educated young man in future. **(Original names of people & places are changed)**

परिकल्पना : **श्री गिरिजा सतीश**
प्रस्तुति : **विनय भट्ट**
नव भारत जागृति केन्द्र, संयोजन कार्यालय
ग्राम – अमृतनगर, पो. कोर्रा, जिला हजारीबाग (झारखण्ड) द्वारा प्रकाशित।
दूरभाषः +91 8809672146, +91 9835751159
ई मेलः nbjkco@gmail.com; vinay.bhatta@nbjk.org

केवल निजी वितरण हेतु